NBF-1601030401020200 Seat No. ________

First Year B. A. (Sem. II) (CBCS) Examination

April / May - 2017

Hindi

(आधुनिक हिन्दी काव्य पंचवटी एवं व्याकरण)

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : (१) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

(२) सभी प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है ।

१ 'पंचवटी' काव्य का कथासार लिखते हुए उसके उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १४

अथवा

१ 'पंचवटी' काव्य के आधार पर 'लक्ष्मण' का चरित्र-चित्रण कीजिए । १४

२ खंडकाव्य के लक्षणों की चर्चा करते हुए 'पंचवटी' काव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

२ पंचवटी की कथा प्राचीन है परंतु इसमें गुप्तजी ने आधुनिक युग की अनेक समस्याओं का चित्रण किया है । इस कथन की समीक्षा कीजिए । १४

३ ''पंचवटी काव्य की शुर्पणखा विदेशी और विलासीनी नारी का प्रतिनिधित्व करती है'' । इस कथन की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

३ '' 'पंचवटी' में सीता का चरित्र-चित्रण एक आदर्श भारतीय नारी के रूप में किया गया है'' – इस कथन की सोदाहरण चर्चा कीजिए । १४

४ भावपक्ष एवं कलापक्ष की दृष्टि से पंचवटी काव्य का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

४ 'पंचवटी' काव्य में गुप्तजी की नारी भावना को स्पष्ट करते हुए अपने विचार स्पष्ट कीजिए । १४

५ (अ) पल्लवन कीजिए : ७

(१) ढाई अक्षर प्रेम का पढे सो पंडित होय ।

अथवा

(२) मन के हारे हार है, मन के जीते जीत ।

(ब) संक्षेपण कीजिए : ७

शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को जीवन से पूर्णतया तैयार करना है । आज की शिक्षा तो पुस्तकीय ज्ञान प्रदान करके ही अपने कर्त्तव्य की इतिश्री समझती है । आज की शिक्षा सचमुच अव्यवहारिक है । पुस्तकीय ज्ञान संबंधी बातों के अतिरिक्त वह कुछ नहीं जानता । इसके फल स्वरूप राष्ट्रीयता की अपार क्षति होती है । जब नवयुवक वास्तविक जीवन में प्रविष्ट होता है, तब उसकी दशा एक साधन हीन यात्री जैसी हो जाती है । ऐसी दशा में वह कर्त्तव्य विमूढ़ होकर अपने निरर्थक जीवन को कोसता है ।

अथवा

निराश होने का अर्थ 'नास्तिक' होना है । परमेश्वर जैसा संभालने वाला है, तो फिर उसी का भरोसा रखो । बच्चे में हिम्मत पैदा करने के लिए माँ उसे इधर–उधर घूमने–फिरने देती है, किंतु क्या उसे गीरने देती है ? बच्चा जब गीरने लगता है, जब उसे चुपके से उठा लेती है । ईश्वर भी तुम्हारी तरफ देखा करता है उस डौर को वह कभी खींचकर पकडता है, तो कभी ढीली छोड़ देता है, परंतु सुत्र आखिर उसीके हाथ में है, ऐसा विश्वास रखिए ।